बहादुर मुस्कान

यह किताब

....

की है

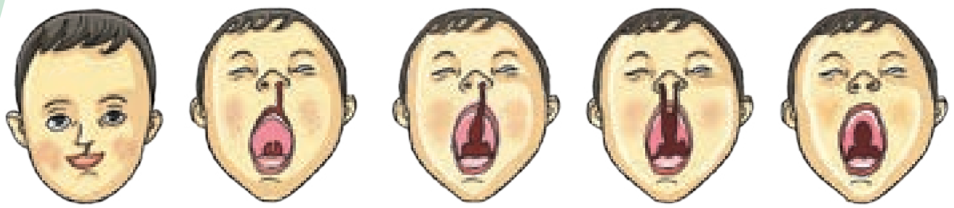

क्लेफ्ट अथवा कटे होंठ या/और तालू क्या है?

कुछ बच्चे क्लेफ्ट के साथ पैदा होते हैं। इसका मतलब है कि उनके होंठ या मुँह के ऊपरी हिस्से में एक दरार होती है। भारत में हर साल 35,000+ बच्चे क्लेफ्ट होंठ या तालू के साथ पैदा होते हैं।

क्लेफ्ट बच्चों को कैसे प्रभावित करता है?

अगर इसका इलाज न किया जाए, तो क्लेफ्ट होंठ या तालू वाले बच्चों को खाने, सांस लेने, बोलने और सुनने में समस्या हो सकती है। कभी-कभी अन्य बच्चे उनका मज़ाक उड़ाते हैं, और वे अक्सर अलग-थलग महसूस करते हैं।

क्या इसका इलाज संभव है?

जी हाँ! सर्जरी और संबंधित देखभाल से इसका इलाज किया जा सकता है, और बच्चे एक स्वस्थ और पूर्ण जीवन जी सकते हैं।

निःशुल्क क्लेफ्ट उपचार के लिए, कृपया कॉल करें:

1800 103 8301

SmileTrain

कॉपीराइट © 2025 स्माइल ट्रेन।
सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन के किसी भी भाग को, किसी भी रूप या किसी भी माध्यम से, जिसमें फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, या अन्य इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक विधियाँ शामिल हैं, बिना स्माइल ट्रेन की पूर्व लिखित अनुमति के, पुन: उत्पन्न, वितरित, या प्रसारित नहीं किया जा सकता, सिवाय उन संक्षिप्त उद्धरणों के जो आलोचनात्मक समीक्षाओं और कुछ अन्य गैर-व्यावसायिक उपयोगों के लिए कॉपीराइट कानून द्वारा अनुमत हैं।

अनुमति के लिए, कृपया स्माइल ट्रेन से संपर्क करें:
प्लॉट नंबर 3, एलएससी, सेक्टर सी, पॉकेट 6/7
वसंत कुंज, नई दिल्ली 110070

लेखक: ममता नैनी
चित्रण: अनिरुद्ध और चारुलता
डिज़ाइन और लेआउट: विक्रम कुमार
पहली प्रकाशण: 2025
भारत में छापा गया

SmileTrain

बहादुर मुस्कान

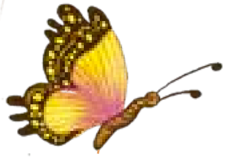

लेखक: ममता नैनी

चित्रण: अनिरुद्ध और चारुलता

धक धक धक!

पिया का दिल ज़ोर से धड़क रहा था।

नया स्कूल। नई क्लास। न दोस्त,
न जाना-पहचाना डेस्क।

पिया ने धीरे से क्लास में कदम रखा और चारों ओर नज़र घुमाई।

हर डेस्क पर बच्चे बैठे थे।

“अब मैं कहाँ बैठूँ?” उसने सोचा।

तभी, पिया को पीछे की तरफ एक खाली सीट दिखाई पड़ी।

वहाँ एक लड़का बैठा था जो अपनी नोटबुक में कुछ बना रहा था।

पिया हिचकिचाई। “क्या ये लड़का भी मेरी तरह अकेला महसूस करता होगा?”

उसने गहरी सांस ली और डेस्क की ओर बढ़ी।

जैसे ही पिया डेस्क पर बैठी, पीछे से फुसफुसाहट उठीः “हर्ष की मुस्कान है टेढ़ी-मेढ़ी, भाई, ये तो है गड़बड़ी!”

फिर एक लड़की ने तंज कसते हुए कहाः “देखो कौन बैठा है उसके संग, दोनों एक जैसे, बिल्कुल बेढंग!”

पिया ने देखा कि हर्ष के होंठ पर एक लंबा-सा निशान था, जैसे कोई टेढ़ी-मेढ़ी नदी।

हर्ष की पेंसिल अब तेज़ी से चलने लगी।

पिया ने धीरे से पूछा, "तुम्हारे होंठ को क्या हुआ?"

हर्ष मुस्कुराया, "ये एक लंबी कहानी है . . . जिसकी शुरुआत होती है एक भूखे टाइगर से!"

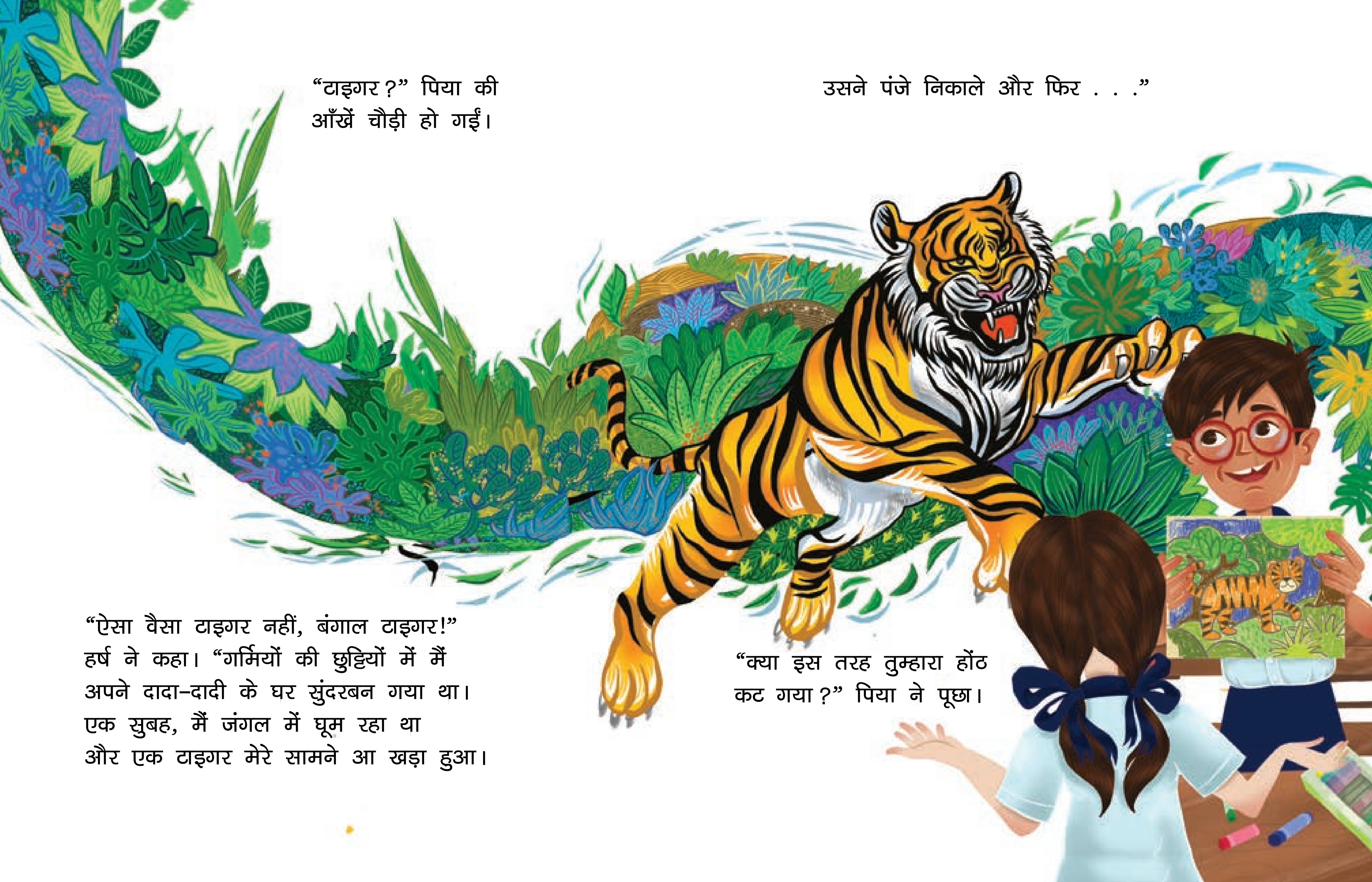

“टाइगर?” पिया की आँखें चौड़ी हो गईं।

“ऐसा वैसा टाइगर नहीं, बंगाल टाइगर!” हर्ष ने कहा। “गर्मियों की छुट्टियों में मैं अपने दादा–दादी के घर सुंदरबन गया था। एक सुबह, मैं जंगल में घूम रहा था और एक टाइगर मेरे सामने आ खड़ा हुआ।

उसने पंजे निकाले और फिर . . .”

“क्या इस तरह तुम्हारा होंठ कट गया?” पिया ने पूछा।

हर्ष ने सिर हिलाया। “नहीं! मैंने उसे चकमा दे दिया! जैसे ही वो झपटा, मैं फट से पेड़ के पीछे छिप गया और वो पेड़ से टकरा गया!”

पिया ने हैरानी से पलकें झपकाई। “फिर क्या हुआ?”

“फिर मैं गुजरात गया, अपने नाना-नानी के घर।” हर्ष ने कहा। “हम समुद्रतट पर बैठे थे जब एक व्हेल शार्क ने मुझे पानी में खींच लिया!”

“सच में?” पिया ने मुँह पर हाथ रख लिया।

“तो तब तुम्हारा होंठ . . .?”

हर्ष ने सिर हिलाया। “नहीं!”

पिया की उत्सुकता बढ़ती जा रही थी। “फिर क्या हुआ?”

“जब मैं ट्रेन से घर लौट रहा था तो मेरा सामना एक कोबरा से हुआ। वह सामान के पीछे से सरकता हुआ बाहर निकला और फुफकारा। डर के मारे मैं अपने बैग से टकराकर उल्टा गिर पड़ा!”

“एक कोरल की मदद से मैंने खुद को बाहर खींच लिया!” हर्ष ने कहा। “लेकिन उसके बाद जो हुआ . . . बाप रे बाप!”

“ओह! तो इस तरह तुम्हारे होंठ पर यह निशान हुआ!” पिया ने कहा।

हर्ष हँस पड़ा। “अरे नहीं!”

“मेरे गिरने से कोबरा डर गया और सरसराता हुआ भाग गया!” हर्ष ने कहा और अपनी कहानियाँ जारी रखीं।

कैसे उसने एक गैंडे से पीछा छुड़ाया . . .

एक चील को चकमा दिया . . .

और एक मगरमच्छ को बेवकूफ बनाया।

हर कहानी में हर्ष की मुस्कान थोड़ी और चौड़ी होती गई।

आखिरकार, पिया ने पूछा, “तो तुम्हारे होंठ को हुआ क्या?”

हर्ष की आवाज़ धीमी हो गई। “मैं कटे होंठ के साथ पैदा हुआ था। मेरे होंठ के इलाज के लिए डॉक्टर ने ऑपरेशन किया था और यह ऑपरेशन ही मेरा सबसे साहसी अनुभव है। माँ कहती है कि यह निशान मेरी बहादुरी का सबूत है।”

“तो क्या तुम्हारी कहानियाँ सच हैं?” पिया ने पूछा।

“पूरी तरह नहीं,” हर्ष ने जवाब दिया। “पर ये मेरी मुस्कान की कहानी को और मज़ेदार बना देती हैं!”

पिया ने कुछ सोचा और गुनगुनायाः "हर्ष की बहुत बहादुर है मुस्कान, है यह अनोखी कहानियों की खान।"

हर्ष ने सुर मिलायाः

"मिला उसे एक दोस्त जो बैठा है संग, जोड़ी है उनकी एकदम दबंग!"

दोनों हँस पड़े और उनके चेहरे चमकदार मुस्कानों से खिल उठे।

तुम्हारी कहानी, तुम्हारी चमक!

क्या तुम्हारे शरीर पर कोई तिल, दाग, निशान,
या खरोंच है?

सोचो, उससे जुड़ी एक मज़ेदार कहानी और
यहाँ बनाओ उसकी तस्वीर!

शिक्षकों और अभिभावकों के लिए नोट्स

छोटे बच्चों को क्लेफ्ट होंठ और तालू समझाने के तरीके:

1. **सरल शब्दों से शुरुआत करें:** क्लेफ्ट को समझाने के लिए आसान भाषा का उपयोग करें। उदाहरण के लिए: "कुछ बच्चे कटे होंठ और/या कटे तालू के साथ पैदा होते हैं। क्लेफ्ट का मतलब होंठ या मुँह के ऊपरी हिस्से में एक गैप (दरार) होता है।"
2. **दृश्य सामग्री का उपयोग करें:** बच्चों को समझाने के लिए क्लेफ्ट होंठ और तालू के विभिन्न प्रकारों की तस्वीरें और चित्र दिखाएं।
3. **चुनौतियों के बारे में समझाएं:** बच्चों को यह बताएं कि क्लेफ्ट वाले बच्चों को खाने, सांस लेने, और बोलने में कठिनाई हो सकती है।
4. **सर्जरी के बारे में बताएं:** समझाएं कि डॉक्टर सर्जरी से क्लेफ्ट को ठीक कर सकते हैं। उदाहरण के लिए: "क्लेफ्ट को सर्जरी से ठीक किया जा सकता है, जिससे व्यक्ति को बोलने और खाने में आसानी होती है।"
5. **अंतर को समझाएं:** बच्चों को यह समझाने में मदद करें कि हर व्यक्ति अनोखा होता है। उदाहरण के लिए: "कुछ लोग चश्मा पहनते हैं, कुछ लंबे होते हैं, और कुछ के होंठ कटे होते हैं, लेकिन हम सब अपने आप में खास हैं!"
6. **बच्चों को नेकदिल बनने के लिए प्रोत्साहित करें:** बच्चों को सहानुभूति और समर्थन की शिक्षा दें। उदाहरण के लिए: "अगर किसी को क्लेफ्ट की वजह से बोलने या खाने में कठिनाई हो, तो धैर्य रखें।"
7. **इंटरैक्टिव चर्चा:** बच्चों को सवाल पूछने का मौका दें, जैसे "क्या फिर से गैप आ जाएगा? इसे कैसे ठीक किया जाता है?" और उन्हें आश्वासन के साथ उत्तर दें।
8. **समावेशिता को बढ़ावा दें:** बच्चों को दिखाएं कि क्लेफ्ट होने से किसी को खेल, सीखने, या मज़े करने से नहीं रोका जा सकता। उदाहरण के लिए: "क्लेफ्ट वाले लोग भी बाकी सभी की तरह खेल सकते हैं, सीख सकते हैं और मज़े कर सकते हैं!"
9. **कहानी सुनाना:** बच्चों को उन सफल लोगों की कहानियाँ सुनाएँ जिनके क्लेफ्ट या अन्य अलगताएँ हैं, और उन्हें आत्मविश्वास के साथ प्रेरित करें।

बच्चों में दया, सम्मान और सभी के प्रति समझ विकसित करें, चाहे उनकी शारीरिक बनावट जैसी भी हो।

ममता नैनी नई दिल्ली में रहने वाली एक लेखिका हैं। उन्होंने बच्चों के लिए पैंतीस से अधिक पुस्तकें लिखी हैं, जिनमें से कई को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं, जैसे वैली ऑफ वर्ड्स अवॉर्ड, फिक्की पब्लिशिंग अवॉर्ड, पब्लिशिंग नेक्स्ट अवार्ड, द हिंदू यंग वर्ल्ड-गुडबुक्स अवॉर्ड और पीक-ए-बुक चिल्ड्रन चॉइस अवॉर्ड। ममता बच्चों की असीम कल्पना से बेहद प्रेरित हैं और समावेशी और सशक्त कहानियाँ लिखती हैं।

दिल्ली स्कूल ऑफ आर्ट से स्नातकोत्तर, **अनिरुद्ध मुखर्जी** लगातार डूडल बनाते हैं, नदियों के किनारों की फोटोग्राफी करते हैं और अक्सर बच्चों की पुस्तकों के ढेर के पास देखे जाते हैं। उन्होंने बच्चों के लिए कई पुस्तकों का चित्रण किया है। **चारुलता मुखर्जी** नई दिल्ली में रहने वाली एक कलाकार हैं। उन्हें बच्चों के लिए चित्र बनाना बेहद पसंद है, क्योंकि उनका मानना है कि बच्चे उनकी कला में वह देख सकते हैं, जो अधिकतर बड़े नहीं देख पाते।

स्माइल ट्रेन के बारे में

स्माइल ट्रेन दुनिया की सबसे बड़ी क्लेफ्ट चैरिटी है। सन् 2000 से, यह भारत में डॉक्टरों और अस्पतालों के साथ मिलकर ज़रूरतमंद बच्चों को मुफ्त क्लेफ्ट उपचार प्रदान कर रही है। अब तक, स्माइल ट्रेन ने भारत भर में 120 से अधिक भागीदार अस्पतालों के माध्यम से 750,000 से अधिक मुफ्त सर्जरी कराई है, जिससे बच्चों को स्वस्थ और पूर्ण जीवन जीने में मदद मिली है।

SmileTrain

नए स्कूल के पहले दिन, पिया मिली एक लड़के से जिसकी मुस्कान थी सबसे अलग। जैसे ही पिया ने पूछा उसकी अनोखी मुस्कान का राज़, हर्ष ने खोल दिया अपनी ज़बरदस्त कहानियों का पिटारा!

पर क्या ये कहानियाँ सच थीं? आओ, उतरे हर्ष की कहानियों की मज़ेदार दुनिया में और ढूंढ़ें इसका जवाब!

SmileTrain